ई-पाठशाला कार्यक्रम

CLASS 10th SST

भूगोल

विनिर्माण उद्योग
Manufacturing Industry

RAPID REVISION



विनिर्माण उद्योग

↳ द्वितीयक क्रियाकलाप

↓

विनिर्माण उद्योग

Q.1 निम्नलिखित में से कौन-सा उद्योग चूना पत्थर को कच्चे माल के रुप में प्रयुक्त करता है?



A. एल्यूमिनियम

B. प्लास्टिक

C. सीमेंट

D. मोटरगाड़ी

ऊर्जा / श्रम → कोयला

→ जिप्सम

विनिर्माण उद्योग

Q.2 निम्नलिखित में से कौन-सा उद्योग बॉक्साइट को कच्चे माल के रुप में प्रयोग करता है?

A एल्यूमिनियम प्रगलन → बॉक्साइट

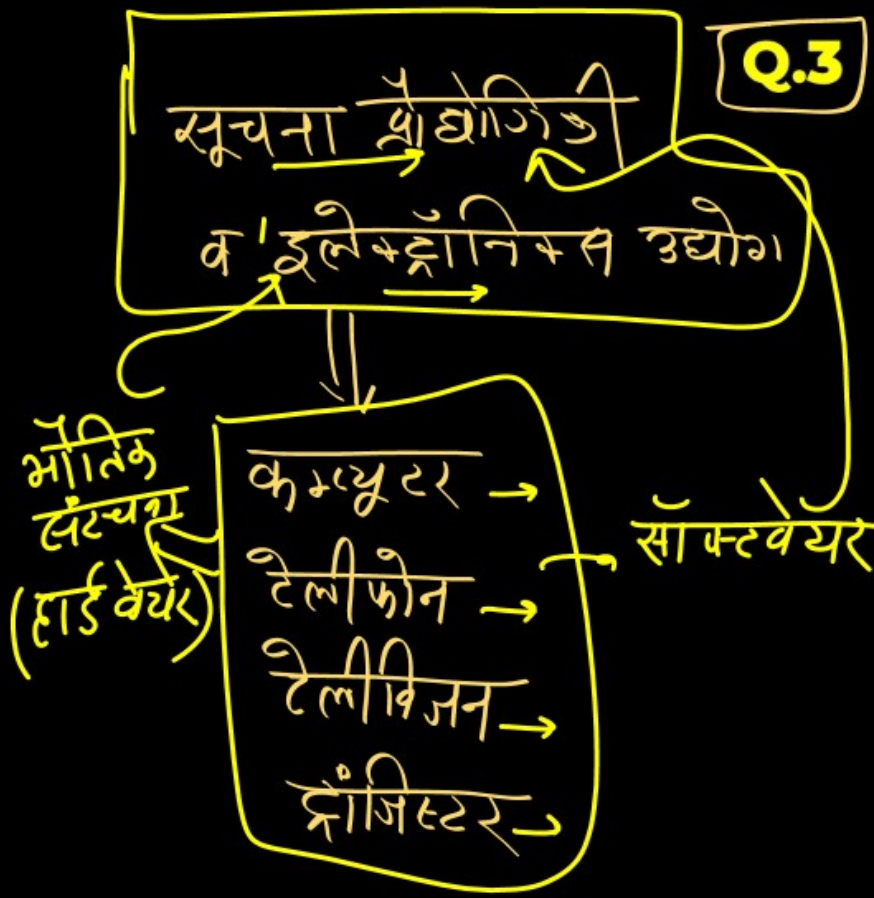
B सीमेंट

C कागज

D स्टील (इस्पात) → लौह अयस्क

कम्प्यूटर

विनिर्माण उद्योग



Q.3 निम्नलिखित में से कौन-सा उद्योग दूरभाष, कंप्यूटर आदि संयंत्र निर्मित करता है?

(A) स्टील

(B) एल्यूमिनियम प्रगलन

(C) इलैक्ट्रानिक

(D) सूचना प्रौद्योगिकी

विनिर्माण उद्योग

रिक्त स्थान पूर्ति

Q.4 कच्चे पदार्थ को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन को .....विनिर्माण..... कहा जाता है।

विनिर्माण उद्योग

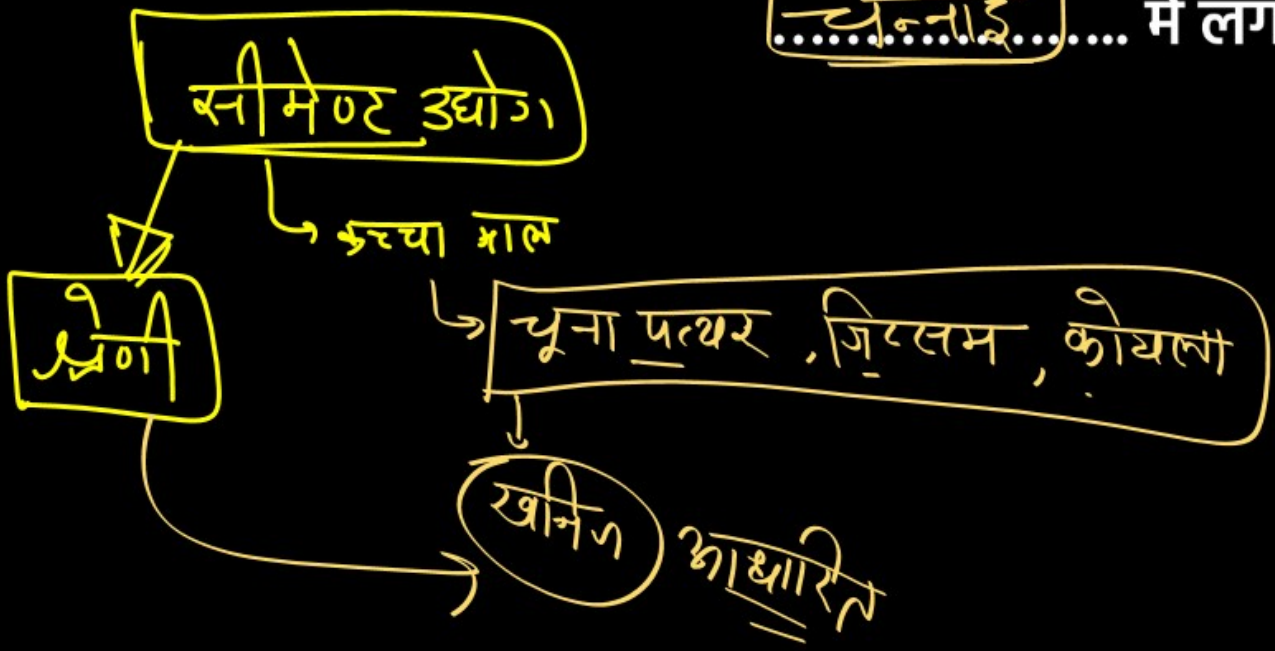
Q.5 भारत में पहला सफल सूती वस्त्र उद्योग सन् .....1854..... में मुंबई में लगाया गया था।

सूती वस्त्र उद्योग

कपास → कपास

विनिर्माण उद्योग

Q.6 देश का पहला सीमेंट उद्योग सन् 1904 में चेन्नई..... में लगाया गया था।



विनिर्माण उद्योग

सत्य/असत्य

Q.7 किसी देश की आर्थिक उन्नति विनिर्माण उद्योगों के विकास से मापी जाती है। सत्य

विनिर्माण उद्योग

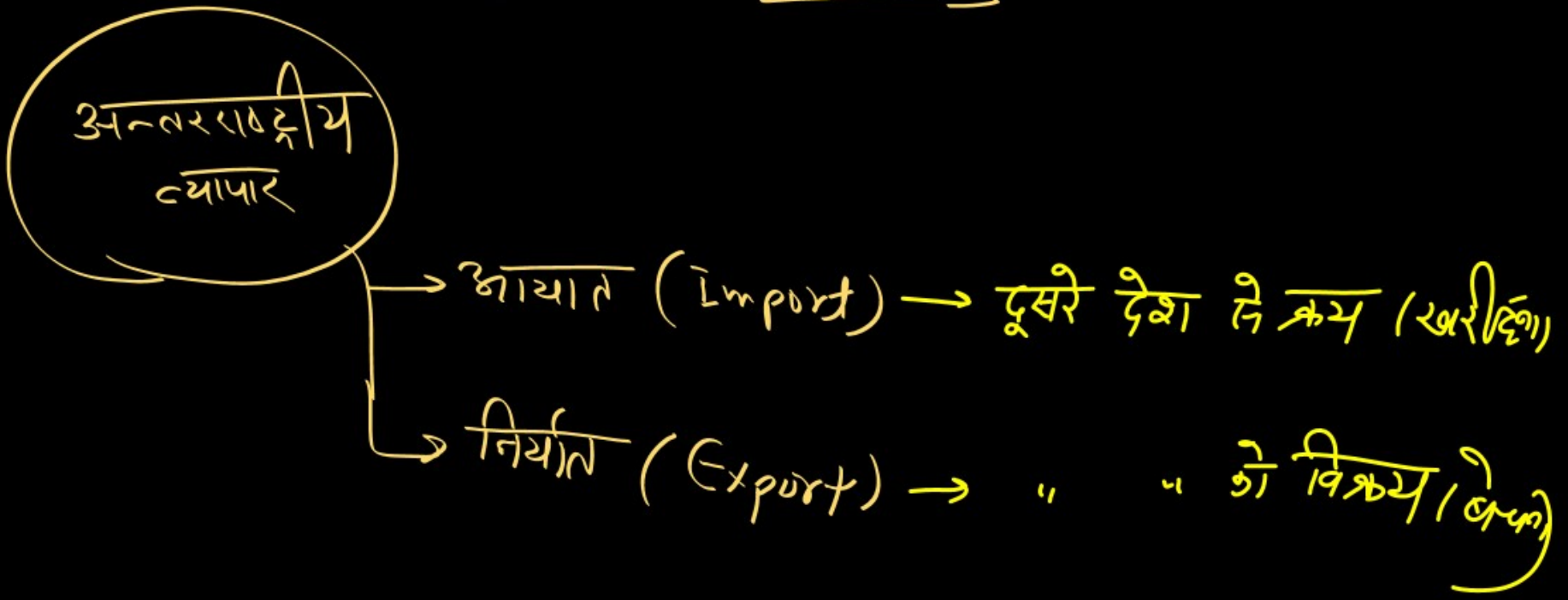
Q.8 पोटाश एक ऐसा उर्वरक है जिसका हमारे देश में प्रचुर मात्रा में घरेलू उत्पादन होता है, अतः इसका आयात नहीं किया जाता। असत्य

भण्डार नहीं
100% आयात

विनिर्माण उद्योग

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

Q.9 विनिर्माण से क्या अभिप्राय है?



विनिर्माण उद्योग

Q.9 विनिर्माण से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :

- कच्चे पदार्थ को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण या वस्तु निर्माण कहा जाता है।
- द्वितीयक कार्यों में लगे व्यक्ति कच्चे माल को परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते हैं।

विनिर्माण उद्योग

Q.10 आधारभूत उद्योग किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

विनिर्माण उद्योग

Q.10 आधारभूत उद्योग किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

उत्तर :

- वे उद्योग जिनके उत्पादन या कच्चे माल पर दूसरे उद्योग निर्भर होते हैं, आधारभूत उद्योग कहलाते हैं।
- उदाहरण के लिए—लोहा-इस्पात, ताँबा प्रगलन व एल्यूमिनियम प्रगलन उद्योग।

विनिर्माण उद्योग

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q.11 कृषि तथा उद्योग एक-दूसरे से पृथक नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। स्पष्ट कीजिए।

विनिर्माण उद्योग

Q.11 कृषि तथा उद्योग एक-दूसरे से पृथक नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- भारत में कृषि पर आधारित उद्योगों ने कृषि पैदावार बढ़ोतरी को प्रोत्साहित किया है।
- ये उद्योग कच्चे माल के लिए प्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर हैं।

विनिर्माण उद्योग

- दूसरी ओर, किसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पाद—जैसे सिंचाई के लिए पंप, उर्वरक, कीटनाशक दवाएँ, प्लास्टिक पाइप, मशीनें व कृषि औजार—उद्योगों द्वारा ही प्रदान किए जाते हैं।
- विनिर्माण उद्योगों के विकास और स्पर्धा से न केवल कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिला है, बल्कि उत्पादन प्रक्रिया भी अधिक सक्षम हुई है।

विनिर्माण उद्योग

Q.12 उद्योगों द्वारा जल प्रदूषण किस प्रकार फैलता है?

विनिर्माण उद्योग

Q.12 उद्योगों द्वारा जल प्रदूषण किस प्रकार फैलता है?

उत्तर :

- उद्योगों द्वारा कार्बनिक तथा अकार्बनिक अपशिष्ट पदार्थों को नदियों में छोड़ने से जल प्रदूषण फैलता है।

विनिर्माण उद्योग

- कागज, लुग्दी, रसायन, वस्त्र, रंगाई, तेल शोधनशालाएँ, चमड़ा उद्योग तथा इलैक्ट्रोप्लेटिंग उद्योग इसके प्रमुख कारक हैं।
- ये उद्योग रंग, अपमार्जक, अम्ल, लवण तथा भारी धातुएँ (जैसे सीसा, पारा), कीटनाशक, उर्वरक, कार्बन, प्लास्टिक और रबर जैसे कृत्रिम रसायन जल में वाहित करते हैं।

विनिर्माण उद्योग

- इसके अतिरिक्त, कारखानों से बिना ठंडे किए छोड़े गए गर्म जल से तापीय प्रदूषण भी होता है।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.13 उद्योग पर्यावरण को किस प्रकार प्रदूषित करते हैं? पर्यावरणीय निम्नीकरण को रोकने के लिए विभिन्न उपायों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

विनिर्माण उद्योग

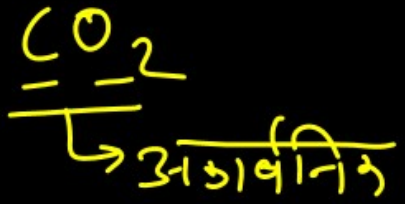
Q.13 उद्योग पर्यावरण को किस प्रकार प्रदूषित करते हैं? पर्यावरणीय निम्नीकरण को रोकने के लिए विभिन्न उपायों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

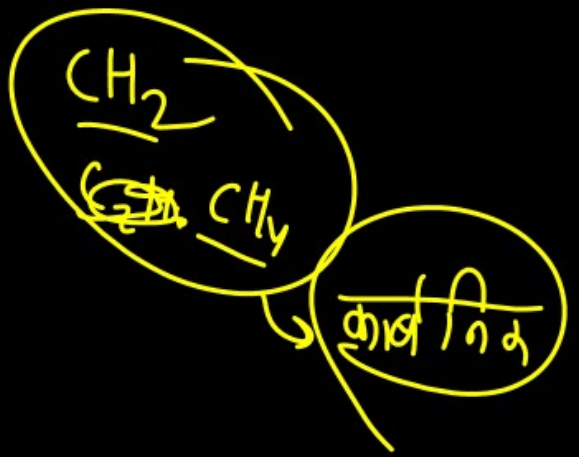
उत्तर :

- यद्यपि विनिर्माण उद्योग किसी देश की आर्थिक वृद्धि और विकास की रीढ़ हैं, तथापि इनके अनियंत्रित संचालन से भूमि, वायु, जल और पर्यावरण का गंभीर निम्नीकरण हुआ है।

विनिर्माण उद्योग







- उद्योग मुख्य रूप से चार प्रकार के प्रदूषण के लिए उत्तरदायी हैं:

I. **वायु प्रदूषण**

- कारखानों, ईंट भट्टों और तेल शोधनशालाओं से निकलने वाली हानिकारक गैसें, धूल, कुहासा और धुआँ वायु को दूषित करते हैं।
- जहरीली गैसों के रिसाव के दूरगामी और घातक परिणाम होते हैं (जैसे भोपाल गैस त्रासदी)।

विनिर्माण उद्योग

II. जल प्रदूषण

- उद्योगों से निकलने वाले कार्बनिक और अकार्बनिक अपशिष्ट, अम्ल, लवण, भारी धातुएँ (पारा, सीसा) तथा प्लास्टिक सीधे जलस्रोतों में छोड़े जाते हैं।
- इसके अलावा, कारखानों और तापघरों का गर्म जल सीधे नदियों में छोड़ने से तापीय प्रदूषण होता है, जिससे जलीय जीवन प्रभावित होता है।

विनिर्माण उद्योग

III. भूमि (मृदा) प्रदूषण

- औद्योगिक बहाव, काँच, हानिकारक रसायन, पैकिंग सामग्री और कचरे का ढेर भूमि को अनुपजाऊ बनाता है।
- वर्षा जल के साथ ये प्रदूषक रिसकर भूमिगत जल को भी दूषित कर देते हैं।

विनिर्माण उद्योग

III. ध्वनि प्रदूषण

- औद्योगिक उपकरणों, जेनरेटरों, इलेक्ट्रिक ड्रिल और कारखानों की मशीनों से उत्पन्न अनचाही ध्वनि से श्रवण असक्षमता, उच्च रक्तचाप, उत्तेजना और मानसिक चिंता जैसी समस्याएँ पैदा होती हैं।

शोर

पर्यावरणीय निम्नीकरण की रोकथाम के उपाय:

कारखानों द्वारा निष्कासित एक लीटर अपशिष्ट से लगभग आठ गुना स्वच्छ जल दूषित होता है, जिसे बचाने और प्रदूषण रोकने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाने चाहिए:

विनिर्माण उद्योग

I. जल प्रबंधन

- विभिन्न प्रक्रियाओं में जल का न्यूनतम उपयोग तथा जल का दो या अधिक उत्तरोत्तर अवस्थाओं में पुनर्चक्रण (Recycling) करना चाहिए।
- जल की पूर्ति हेतु वर्षा जल संग्रहण को बढ़ावा देना चाहिए।

II. अपशिष्ट शोधन

- नदियों व तालाबों में अपशिष्ट छोड़ने से पहले उनका प्राथमिक (यांत्रिक), द्वितीयक (जैविक) और तृतीयक (रासायनिक व भौतिक) चरणों में शोधन अनिवार्य किया जाना चाहिए।

विनिर्माण उद्योग

III. वायु प्रदूषण नियंत्रण

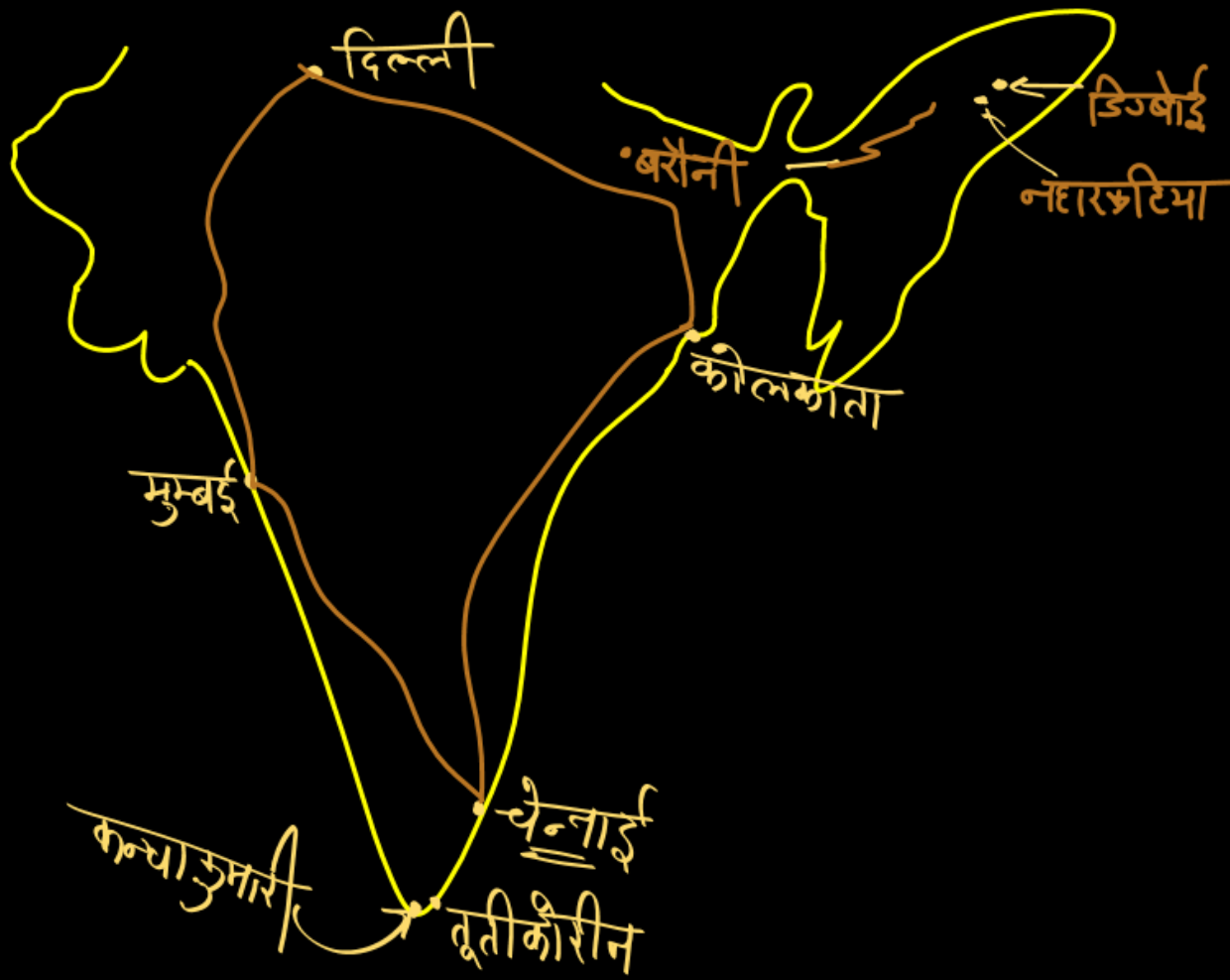
- कारखानों में ऊँची चिमनियाँ लगानी चाहिए तथा उनमें इलेक्ट्रोस्टैटिक अवक्षेपक (Precipitators), स्क्रबर और गैसीय प्रदूषक पृथक करने वाले उपकरण होने चाहिए।
- कोयले के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल तेल या गैस का प्रयोग करना चाहिए।

विनिर्माण उद्योग

IV. ध्वनि नियंत्रण

- कारखानों में कम ध्वनि करने वाली ऊर्जा-सक्षम मशीनें, जेनरेटरों में साइलेंसर तथा शोर नियंत्रण उपकरणों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

सतत् पोषणीय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पर्यावरण-संचेतना से युक्त आर्थिक विकास की आवश्यकता है।


दिल्ली
बरौनी
डिग्बोई
नहारकटिया
कोलकाता
मुम्बई
चेन्नाई
कन्याकुमारी
तूतीकोरीन